Need to include 'Kamlapuri Vaishya' caste in the central list of Backward Classes ? laid

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): मैं सदन का ध्यान कमलापुरी वैश्य जाति के प्रति आकृष्ट कराना चाहती हूँ। कमलापुरी वैश्य जाति शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़ी हुई है, जिनकी बिहार के आलावा उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम एवं दिल्ली में अच्छी खासी आबादी निवास करती है तथा सिर्फ बिहार राज्य में ही इनकी आबादी 11 लाख के आस पास है। बिहार सरकार की पिछड़ी जाति की सूची में दिनांक 18 फरवरी 1999 की अनुसूची-2 के क्रम संख्या - 20 पर कमलापुरी वैश्य जाति सहित सूढ़, हलवाई, रौनियार, पंसारी, कसेरा आदि अन्य पिछड़ी जातियों का नाम अंकित है। परन्तु केंद्रीय सूची में कमलापुरी वैश्य जाति को ही पिछड़ी जाति की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है जो इस जाति के साथ न्यायसंगत नहीं है। वर्ष 1996 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रथम अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री रामनन्दन प्रसाद की अनुशंसा पर आयोग की सलाह संख्या - बिहार 5/96 द्वारा भी कमलापुरी वैश्य जाति का नाम अन्य पिछड़ा वर्ग की केंद्रीय सूची के क्रम संख्या 83 में जोड़ने का सुझाव दिया गया था। इसके बावजूद इस जाति को अन्य पिछड़ा वर्ग की केंद्रीय सूची में शामिल नहीं किया गया तथा वर्षों से इस जाति के लोग अपने अधिकार से वंचित हो रहे है। अतः मेरा सरकार से अनुरोध होगा कि उपरोक्त कमलापुरी वैश्य जाति को पिछड़ा वर्ग के केंद्रीय सूची में शामिल करायी जाये जिससे कि वर्षों से आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ी इस जाति का समुचित उत्थान संभव हो सके।